बी.एच.डी.एफ.-101-एफ.एच.डी.-1

22374

हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

पाठ्यक्रम-कोड : बी.एच.डी.एफ.-101/एफ.एच.डी.-1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *इस प्रश्न पत्र में तीन खण्ड हैं। खण्ड 'क' सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है। खण्ड 'ख' और 'ग' में से किसी एक खण्ड के उत्तर देना है। एफ.एच.डी.-1 के विद्यार्थी खण्ड 'ख' और बी.एच.डी.एफ-101 के विद्यार्थी खण्ड 'ग' के प्रश्नों के उत्तर दें।*

खण्ड -क

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्याय लिखिए : 5

   आकाश, कमल, घोड़ा, जल.

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए। 5

   उद्वेग, उल्लास, सदानंद, दिगंत

3. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 5

   (क) आँख का तारा होना।

   (ख) आकाश छूना।

4. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) शिक्षा एक मूलभूत अधिकार

(ख) मेरा प्रिय खेल

(ग) पर्यावरण और हम

(घ) भ्रष्टाचार एक अभिशाप

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 5

(क) टिप्पण (ख) अनुवाद की भाषा

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और इसके आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

संयुक्त सोवियत रूसी गणराज्य में एक भयंकर परमाणु दुर्घटना घटित हुई थी। द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान पर गिराये गए परमाणु बम के बाद, परमाणु क्षेत्र मे यह सबसे अधिक विनाशकारी दुर्घटना थी।

रूस के शहर 'चेरनोबिल' में एक परमाणु प्रयोगशाला में जमीन के अंदर एक संयंत्र के फट जाने मे चारों ओर वीभत्स दृश्य उत्पन्न हो गया। इस परमाणु संयंत्र से रेडियोधर्मी तत्व वातावरण में फैल गए और इसने कुछ ही समय में कई लोगों को मौत की नींद सुला दिया। इसका प्रभाव शहर की शेष बची आबादी पर भी हुआ और कई व्यक्ति स्थायी विकलांगता के शिकार हुए।

प्रश्न -

(क) मानव को अपने हित में परमाणु शक्ति का उपयोग किया जाना चाहिए अथवा नहीं ?

(ख) परमाणु शक्ति से होने वाले लाभ और नुकसान क्या-क्या हो सकते हैं ?

(ग) उपर्युक्त अनुच्छेद को उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

खण्ड - ख

इस खण्ड में शामिल प्रश्नों का उत्तर केवल एफ.एच.डी.-1 के विद्यार्थी दें।

7. निम्नलिखित में से किसी एक का आशय लगभग 200 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 5

चढ़ रही थी धूप
गर्मियों के दिन
दिवा का तमतमाता रूप
उठी झुलसती हुई लू
रूई ज्यों जलती हुई भू
गर्द चिनगी छा गई
प्राय: हुई दोपहर
वह तोड़ती पत्थर

अथवा

मैं नीर भरी दु:ख की बदली
स्पंदन में चिर निस्पंदन बसा
क्रंदन में आहत विश्व हंसा
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरिणी मचली!

8. निम्नलिखित में से ***किन्ही दो*** प्रश्नों का उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में लिखिए : **2x5=10**

(क) 'पूस की रात' कहानी के नायक हल्कू का चरित्र चित्रण कीजिए।

(ख) 'मानस का हंस' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ग) 'चंद्रगुप्त' नाटक का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(घ) बैर और क्रोध के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड - ग

केवल बी.एच.डी.एफ-101 के विद्यार्थी इस खण्ड के प्रश्नों के उत्तर दें। 5

9. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** का आशय लगभग 200 शब्दों में लिखिए।

(क) वैष्णव करोड़पति है। भगवान विष्णु का मंदिर है। जायदाद लगी है। भगवान सूदखोरी करते है। व्याज से कर्ज देते है। वैष्णव दो घंटे भगवान विष्णु की पूजा करते है, फिर गादी तकिए वाली बैठक में आकर धर्म को धंधे से जोड़ते है। धर्म धंधे से जुड जाए, इसी को 'योग' कहते हैं। कर्ज लेनेवाले आते हैं। विष्णु भगवान के मुनीम हो जाते हैं।

(ख) त्यागियों के बच्चे 'चूहड़े का' कहकर चिढ़ातें थे। कभी-कभी बिना कारण पिटाई भी कर देते थे। एक अजीब-सी यातनापूर्ण जिंदगी थी। जिसने मुझे अंतर्मुखी और चिड़चिड़ा, तुनकमिजाजी बना दिया था। स्कूल में प्यास लगे तो हैंडपंप के पास खडे रहकर किसी के आने का इंतजार करना पड़ता था। हैंडपंप छूने पर बावेला हो जाता था। लड़के तो पीटते ही थे; मास्टर लोग हैंडपंप छुने पर सज़ा देते थे।

10. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में दीजिए। **2x5=10**

(क) 'पूस की रात' में अभिव्यक्त किसान के जीवन-संघर्ष को रेखांकित कीजिए।

(ख) 'वैष्णव की फिसलन' निबंध में धर्म के दुरूपयोग पर टिप्पणी लिखिए।

(ग) 'जूठन' आत्मकथा दलित छात्र के जीवन यथार्थ का चित्रण है। इस कथन की चर्चा कीजिए।

(घ) महादेवी के व्यक्तिगत अनुभव समुचें स्त्री वर्ग के जीवन-यथार्थ को अभिव्यक्त करते हैं, इस कथन की सोदाहरण चर्चा कीजिए।